Digitized by KMV College Library, Jalandhar

**Exam Code: 226302** **Paper Code: 2164**
**(20)**

**Programme: Master of Arts (Hindi)**
**Semester-II**

**Course Title: Adhunik Hindi Kavya: Chhaya Vadottar Kaal**

**Course Code: MHIL-2261**

**Time Allowed: 3 Hours** **Max Marks: 80**

**परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, पांचवा प्रश्न किसी भी भाग में से कर सकते है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।**

## इकाई-एक

१. 'नई कविता' की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
२. प्रगतिवाद साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

## इकाई-दो

३. छायावादोत्तर साहित्य के अज्ञेय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनकी जीवन -दृष्टि स्पष्ट करें।
४. अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं बताते हुए 'असाहयवीणा' का शिल्प-सौन्दर्य प्रस्तुत करें।

## इकाई-तीन

५. मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' के कथ्य पर प्रकाश डालिए।
६. फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध का परिचय देते हुए उनकी कविताओं का भावजगत और काव्य भाषा पर प्रकाश डालें।

## इकाई-चार

७. धूमिल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
8- साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी कवि धूमिल का योगदान स्पष्ट करें।

(16 x 5 = 80)

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code- 226302 Pape Code- 2165

Programme - Master of Arts (Hindi)
Semester-II
Course Code: MHIL-2262
Course Title : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Time allowed-3hours. Max Marks-80

नोट : यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है | भाग एक,दो,तीन,चार में पूछे गये दो – दो प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए एक का उत्तर देना अनिवार्य है |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में दें | प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 16 हैं |

भाग-एक

1. प्लेटो के **काव्य सिद्धांत** को स्पष्ट कीजिए |

2.अरस्तु के **अनुकरण सिद्धांत** को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें |

भाग-दो

3. **उदात्त** की अवधारणा और स्वरुप को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें |

4. मैथ्यू ऑर्नोल्ड के अनुसार **आलोचना के स्वरूपगत प्रकार्य** को समझाएं |

भाग-तीन

5.आई.ए .रिचर्ड्स केअनुसार **संवेगों का संतुलन** की अवधारणा को समझाएं |

6.टी.एस इलियट के **निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत** पर प्रकाश डालें |

भाग-चार

7.**स्वच्छंदतावाद** की विशेषताओं से अवगत करवाएं |

8. **मार्क्सवाद** से आप क्या समझते हैं |

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

**Exam code - 226302** **Paper code -2166**

**Programme - Master of Arts (Hindi)**
**Semester -II**

Course title - Media Lekhan

Course code -MHIL -2263

Time allowed –3 hours Total Marks -80

नोट:- यह प्रश्न पत्र 4 भागों में विभक्त है। विद्यार्थी प्रत्येक भाग में से एक प्रश्न का उत्तर देंगे। पांचवें प्रश्न का उत्तर वे किसी भी भाग में से दे सकते हैं।प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का होगा और प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

**भाग- 1**

1.जनसंचार माध्यम की परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवम उपयोगिता लिखिए।

2. निम्नांकित शब्दों का हिंदी रूप लिखिए:

Dispatch,Ad Hoc, Executive, forwarding Letter, Incharge, Litigation,Probationary Officer, Current Account.

**भाग- 2**

3.रेडियों समाचार लेखन की विशेषताएं विस्तार सहित लिखिए।

4.रेडियो फीचर लेखन के तत्वों का सविस्तार परिचय दीजिए।

**भाग -3**

5.वृत्तचित्र बनाने के विविध चरण तथा वृत्तचित्र की पद्धतियों का चित्रण कीजिए।

6 विज्ञापन लेखन का परिचय एवं विशेषताएं लिखिए।

**भाग -4**

7. टेलीविजन नाटक लेखन अर्थात टेलीड्रामा का तात्विक परिचय दीजिए।

8.जनसंचार की प्रौद्योगिकी और चुनौतियों का विस्तृत परिचय दीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 226302 Paper Code: 2167

Programme - Master of Arts (Hindi)
Semester-II
Course Code: MHIL-2264
Course Title : राजी सेठ -विशेष अध्ययन

Time allowed-3hours. Max Marks-80

नोट : यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक,दो, तीन, चार में पूछे गये दो - दो प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए एक का उत्तर देना अनिवार्य है। पांचवां प्रश्न किसी भी भाग से किया जा सकता है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 16 हैं।

भाग-एक

1. राजी सेठ जी के **व्यक्तित्व और कृतित्व** का परिचय दें।
2. राजी सेठ के कथा साहित्य में **नारी चेतना** का विवेचन कीजिए। |

भाग-दो

3. **तत्सम** में चित्रित अंतर्द्वंद्व और उसके कारणों की युक्तियुक्त समीक्षा करें।
4. **वसुधा** की चरित्रगत विशेषताओं का परिचय दें।

भाग-तीन

5. **अनावृत्त कौन** कहानी में चित्रित दाम्पत्य संबंधों का विवेचन कीजिए।
6. **अनावृत्त कौन** कहानी में भारतीय और विदेशी परिवेश के अंकन की समीक्षा करें।

भाग-चार

7. **अंधे मोड़ से आगे कहानी बदलते संबंधों का दस्तावेज़ है** ,इस कथन पर विचार करें।
8. **अंधे मोड़ से आगे** कहानी में व्यक्त **नारी मनोविज्ञान** पर प्रकाश डालें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

**Exam Code: 226302** **Paper Code: 2168**
**(20)**

**Programme: Master of Arts (Hindi)**
**Semester-II**

**Course Title: Natakkaar Mohan Rakesh**

**Course Code: MHIL-2265 (Opt-I)**

**Time Allowed: 3 Hours** **Max Marks: 80**

इकाई एक, दो, तीन, चार में स 16–16 अंकों के कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी इकाई में से कर सकता है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों से कम न हो।

## इकाई–एक

1. नाटकीय शिल्प–कौशल की दृष्टि से 'मोहन राकेश' के नाटकों की विशेषताएं बताएँ। 16
2. मोहन राकेश के व्यक्तित्व एवं उनके नाटकों में निश्चित रूप से किए, महत्व का वर्णन करें। 16

## इकाई–दो

3. 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल अन्तर्द्वन्द्व उस समय के अर्थ में भी नितान्त आधुनिकता के अन्तर्गत है। इस कथन की युक्ति–युक्त समीक्षा करें। 16
4. "कालिदास के रूप में नाटककार ने आत्मकामी व्यक्ति को ही अभिव्यक्ति दी है।" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 16

## इकाई–तीन

5. उद्धेश्य तथा रंगमंचीयता की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' नाटक का संक्षिप्त और सारगर्भित समीक्षा कीजिए। 16
6. 'लहरों के राजहंस' अभिनेयता की दृष्टि से अत्यन्त सफल नाटय रचना है– विवेचन कीजिए। 16

## इकाई–चार

7. 'आधे–अधूरे' नाटक के अन्तर्गत अधूरे रिश्तों की पूरी दास्तान चित्रित करें। 16
8. 'आधे–अधूरे' नाटक किस प्रकार वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है? 16